UNIVERSITY OF CALCUTTA

NotificationNo.CSR/13/2023

It is notified for information of all concerned that in terms of the provisions of Section 54 of the Calcutta University Act, 1979, (as amended), and, in exercise of his powers under 9(6) of the said Act, the Vice-Chancellor has, by an order dated 11.07.2023 approved the Syllabi of the under mentioned subjects for semester wise Four-year (Honours & Honours with Research) / Three-year (Multidisciplinary) programme of U.G. courses of studies, as applicable under CCF,2022 . under this University, as laid down in the accompanying pamphlet.

Name of Subject:

1.Anthropology
2.BBA
3.Bengali
4.BFAD
5.Bio Chemistry
6.Botany
7.Chemistry
8.Commerce
9.Economics
10.Education
11.English
12.Geology
13.Hindi
14.History,Islamic History & Culture
15.Home Science
16.Human Rights
17.Journalism & Mass Communication
18.Mathematics
19.Microbiology (Honours)
20.Molecular Biology
21.Philosophy
22.Physiology
23.Political Science
24.Psychology
25.Social Science
26.Sociology
27.Urdu
28.Women's Studies
29.Zoology

The above shall be effective from the academic session 2023-2024.

12/7/2023

SENATE HOUSE

KOLKATA-700 073

Prof.(Dr.) Debasis Das

Registrar

NEP 2020 HINDI SYLLABUS BA 4 YEARS COURSE

UNIVERSITY OF CALCUTTA

HINDI SYLLABUS

(हिंदी पाठ्यक्रम)

Semester	Category of Course	Course Title	Credits		
			Theory	Practical/OP/TU	Total
1	DSC/Core (CC-1)	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	3	1	4
	Minor-1 / MD-1	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	3	1	4
	IDC/MDC	संवैधानिक हिंदी	2	1	3
	SEC-1	लोक साहित्य	3	1	4
	AEC	Compulsary English	2	0	2
	CVAC				
2	DSC/Core (CC-2)	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	3	1	4
	Minor-2/ MD-2	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	3	1	4
	IDC/MDC	कार्यालयी हिंदी	2	1	3
	SEC-2	डिजिटल साक्षरता	4	1	4
	AEC	हिंदी व्याकरण एवं रचना	2	0	2
	CVAC				

NEP 2020 HINDI SYLLABUS BA 4 YEARS COURSE

UNIVERSITY OF CALCUTTA

HINDI SYLLABUS

(हिंदी पाठ्यक्रम)

प्रथम सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-H-CC-1-1-TH

HIN-MD-CC-1-1-TH

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रस्तावना एवं परिचय)

विद्यापति - निम्नलिखित पद

- सखी रे हमर दुखक नहिं ओर
- मधुपुर मोहन गेल रे
- अनुखन माधव माधव सुमरइते सुंदरी भेल मधाई
- सरस बसंत समय भल पाओल दछिन पवन बहु धीरे
- कत सुख सार
- मोरे रे अँगना चानन केरि गछिया

<u>कबीर</u> - 5 पद 10 साखी

- संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे
- पानी बीच मीन प्यासी
- मन न रंगाए रंगाए जोगी कपरा
- अरे इन दोउन राह न पाई
- गगन घटा घहरानी

दोहे -

- सतगुरु की महिमा अनंत
- बिरहा- बिरहा मति कहौ
- आँखड़ियाँ झाईं परी
- माला तो कर में फिरै
- जांप मरै अजपा मरै
- तूँ -तूँ करता तू भया
- हम घर जारा आपना
- कस्तूरी कुण्डलि बसै
- सुखिया सब संसार है
- कबीर यहु घर प्रेम का

<u>जायसी</u>

पद्मावत (मानसरोदक खंड)

<u>सूरदास</u> - निम्नलिखित पद (10)

- अवगति की गति कछु कहत न आवै
- जौ लौं मन कामना न छूटैं
- जसोदा हरि पालने झुलावै

- किलकत कान्ह घुटुरवनि आवत
- खेलन में को काकौ गुसैयाँ
- मैया हौं न चरैहों गाई
- बूझत श्याम कौन तू गोरी
- बिनु गोपाल बैरनि भई कुंजै
- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- उधो मन नाहीं दस बीस

<u>तुलसीदास</u> - 5 पद 10 दोहे

पद

- ऐसी मूढ़ता या मन की
- जाऊँ कहाँ तजि चरण तिहारे
- ऐसो को उदार जग माहीं
- पालनै रघुपति झुलावै / लै लै नाम सप्रेम सरस स्वर कौसल्या कल कीरति गावै
- भोर भयो जागहु ,रघुनन्दन ,गत व्यलीक भगतिन उर चन्दन

दोहे

- राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस
- जे न मित्र दुख होई दुखारी
- नाम नाम मनि दीप धरि जीह देहरी द्वार
- बढ्यो बधिक परयों पुन्य जल
- आवत हिय हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह |
- तुलसी काया साथ विपति के, विद्या ,विनय ,विवेक |
- तुलसी काया खेत है ,मनसा भयौ किसान
- तुलसी मीठे बचन ते सुख उपजत चहुँ ओर
- सचिव, बैद गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस

<u>मीराबाई</u> - निम्नलिखित पद (6)

- यह विधि भगति कैसे होय
- मैं तो साँवरे के रंग राँची
- राणाजी म्हाने या बदनामी लागे नीकी |
- हे री मैं तो दरद दिवाणी
- कोई कहियो रे प्रभु आवन की
- पग घुँघरू बाँधि मीरा नाची रे|

<u>रहीम</u> - निम्नलिखित दोहे (15)

- कहा करौं बैकुंठ लै
- खरच बढ़यो उद्‌गम घट्‌यो
- छिमा बड़न को चाहिए
- तरुवर फल नहीं खात है
- दीन सबन को लखत है
- दीरघ दोहा अरथ के
- पावस देखि रहीम मन
- प्रेम पंथ ऐसो कठिन
- बड़े बड़ाई ना करैं
- रहिमन देखि बड़ेन को
- रहिमन धागा प्रेम का
- रहिमन निज मन की बिथा
- रहिमन यह संसार में
- रहिमन विपदा हूँ भली
- रहिमन पानी राखिए

<u>बिहारी</u> - निम्नलिखित दोहे (15)

- अजौ तरौना ही रह्यों
- इन दुखिया अँखियन कौ
- करौ कुबत जग कुटिलता
- या अनुरागी चित की
- जप माला छापा तिलक
- नहीं पराग नहिं मधुर मधु
- कहत नटत रीझत खिझत
- बतरस लालच लाल की
- अनियारे दीरघ दृगनि
- तो पर वारौं उरबसी
- जब जब वै सुधि कीजियै
- को छूट्यौ इहि जाल
- औंधाई सीसी सुलखि
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- लिखन बैठी जाकी सबी

<u>घनानंद</u> - निम्नलिखित पद (6)

- झलकै अति सुन्दर आनन गौर
- हीन भए जल मीन अधीन
- मीत सुजान अनीति करौ
- प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान
- रावरे रूप की रीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारग

<u>रसखान</u> - निम्नलिखित सवैये (6)

- मानुस हौं तो वही रसखान
- मोरपखा मुरली संभाल

- फागुन लग्यो सखि जब तें
- कंचन मंदिर ऊँचे बनाई के
- सोहत है चंदवा सर मोर को
- कान्ह भए बस बांसुरी के

<u>भूषण</u>- निम्नलिखित पद (6)

- इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व
- पावक तुल्य अमीतन को भयो
- ब्रह्म के आनन ते निकसे ते
- सबन के ऊपर ठाढ़ो रहिबे के जोग
- बाने फहराने घहराने घंटा गजन के
- ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी

<u>अनुमोदित पुस्तकें</u> -

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पांडेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- पद्मावत - सं. रामचंद्र शुक्ल
- मीरा बाई की सम्पूर्ण पदावली - डॉ. रामकिशोर शर्मा
- घनानंद कवित्त - सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- रहीम - सं. विद्यानिवास मिश्र
- रसखान रचनावली - वाणी प्रकाशन

- विद्यापति - डॉ शिवप्रसाद सिंह
- विद्यापति - डॉ आनंद प्रसाद दीक्षित
- मैथिलि कोकिल विद्यापति - डॉ कृष्णदेव झारी
- हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

- भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर
- हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि - डॉ गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर - आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर
- कबीर का साहित्य अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर - सं बासुदेव सिंह
- कबीर अनुशीलन - प्रेमशंकर त्रिपाठी

- भक्ति आंदोलन का अध्ययन - रतिभानु सिंह नाहर
- तुलसी की साहित्य साधना - डॉ लल्लन रे
- तुलसी - उदय भानु सिंह
- तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित
- गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय
- महाकवि सूरदास - नन्द दुलारे वाजपेयी
- जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- सूरदास - सं राकेश कुमार
- मीराँबाई - सं वसंत त्रिपाठी
- भक्ति काव्य का मूल्यबोध - वीरेंद्र मोहन
- मीराँ माधुरी - श्री ब्रजरत्न दास(भूमिका माधव हाड़ा)
- घनानंद का शृंगार काव्य - रामदेव शुक्ल
- मलिक मुहम्मद जायसी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- महाकवि भूषण - भगीरथ दीक्षित
- भूषण ग्रंथावली - सं आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण - राजमल बोरा
- पद्मावत प्रभा - सूर्यप्रसाद दीक्षित

****

IDC/ MDC = 3 Credits (1 X 3) 2 TH + 1P/TU

HIN-H-1DC-1-1-TH

HIN-MD-1DC-1-1-TH

संवैधानिक हिंदी

(हिंदी की संवैधानिक स्थिति की प्रस्तावना और परिचय)

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी
- संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी
- बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी ,साहित्यिक हिंदी
- संविधान में हिंदी - राजभाषा अधिनियम 1968, राजभाषा नियम 1976 और राजभाषा संकल्प 1968
- हिंदी का मानकीकरण
- अशुद्धि- शोधन, विराम चिह्नों का प्रयोग

अनुमोदित पुस्तकें -

- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद शाही
- प्रयोजनपरक हिन्दी - सूर्य प्रसाद दीक्षित
- अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार - जयंती प्रसाद नौटियाल

- प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे
- राजभाषा हिन्दी - प्रकाशन विभाग , भारत सरकार
- राष्ट्रभाषा हिन्दी:समस्याएँ और समाधान - देवेंद्रनाथ शर्मा
- राज भाषा के पचास वर्ष - सूर्यप्रसाद दीक्षित

****

AEC - COMPULSARY ENGLISH

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 4TH + OP/TU

HIN-H-SEC-1-1-TH

HIN-MD-SEC-1-1-TH

लोक साहित्य

(लोक साहित्य के प्रमुख रूपों की प्रस्तावना एवं परिचय)

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास ,लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोकगीत : संस्कार गीत ,व्रतगीत ,भ्रमरगीत ,ऋतुगीत ,जातिगीत |
- लोकनाट्य : रामलीला ,रासलीला ,कीर्तनियाँ ,स्वांग ,यक्षगान ,विदेशिया ,भांड ,तमाशा ,नौटंकी |
- लोककथा : व्रतकथा ,परिकथा नाग-कथा ,कथारूढ़ियाँ और अन्धविश्वास |
- लोकभाषा : लोक सम्भाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ ,पहेलियाँ |
- लोकनृत्य एवं लोक संगीत |

अनुमोदित पुस्तकें -

- लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद - बद्रीनारायण
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति - डॉ रामनिवास शर्मा
- भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- लोक साहित्य की भूमिका - डॉ कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ श्रीराम शर्मा
- लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ शंकरलाल यादव
- भारतीय लोक विश्वास - डॉ कृषदेव उपाध्याय

- धरती गाती है - देवेंद्र सत्यार्थी
- अवधी लोक गीतों का समाज शास्त्रीय अध्ययन - सत्या उपाध्याय
- लोक संस्कृति की रूपरेखा - कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक रंग :उत्तर प्रदेश - दया प्रकाश सिन्हा
- भारतीय लोकनाट्य - वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
- लोक संस्कृति : आयाम और परिदृश्य - सं महावीर प्रसाद अग्रवाल
- लोक साहित्य विमर्श - श्याम परमार
- अवधी लोक वांगमय - सूर्य प्रसाद दीक्षित
- मध्यप्रदेश का लोकनाट्य माच - शिवकुमार मधुर
- आधुनिक हिन्दी नाट्यालोचन , नई भूमिका - नर नारायण राय
- सृजन का सुख दुःख - प्रतिभा अग्रवाल
- बोलने की कला - भानु शंकर मेहता
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- हमारे लोकधर्मी नाट्य - श्याम परमार
- लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा

****

CVAC- ENVS BY THE UNIVERSITY

4 credits (2 X 2)

****

द्वितीय सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-H-CC-2-2-TH

HIN-MD-CC-2-2-TH

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

(छायावाद तक आधुनिक हिंदी कविता की प्रस्तावना और परिचय)

भारतेन्दु हरिश्चंद्र -

- नये जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -

- एक तिनका
- कर्मवीर
- सरिता
- खद्योत
- फूल और काँटा

मैथिलीशरण गुप्त -

- सखि वे मुझसे कह कर जाते
- किसान

- मनुष्यता, आर्य, होली

<u>जयशंकर प्रसाद</u> -

- हमारा प्यारा भारतवर्ष
- अरुण यह मधुमय देश हमारा
- उठ -उठ री लघु- लघु लोल लहर
- मधुप गुनगुनाकर कह जाता
- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- पेशोला की प्रतिध्वनि

<u>सूर्यकांत त्रिपाठी निराला</u> -

- संध्या सुंदरी
- अधिवास
- जागो फिर एक बार २
- गहन है यह अंधकारा
- स्नेह निर्झर बह गया है
- ध्वनि

<u>सुमित्रा नंदन पंत</u> -

- प्रथम रश्मि
- बादल
- गा कोकिल बरसा पावक कण
- मौन निमंत्रण
- धूप का टुकड़ा
- संध्या

<u>महादेवी वर्मा</u> -

- धीरे- धीरे उतर क्षितिज से
- क्या पूजा क्या अर्चन रे
- मैं नीर भरी दुःख की बदली
- चिर सजग आँखें उनींदी
- पंथ रहने दो अपरिचित
- यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

<u>सुभद्रा कुमार चौहान</u> -

- मेरा नया बचपन
- वीरों का कैसा हो बसंत
- गिरफ्तार होने वाले हैं
- प्रथम दर्शन
- ठुकरा दो या प्यार करो
- पारितोषिक का मूल्य

<u>अनुमोदित पुस्तकें</u> -

- भारतेन्दु रचना संचयन: संपादक - गिरीश रस्तोगी
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
- मैथिलीशरण गुप्तः पुनर्मूल्यांकन - डॉ नगेंद्र
- राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त और साकेत - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
- काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद
- छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत
- छायावाद का व्यावहारिक सोंदर्यशास्त्र - सूर्यप्रसाद दीक्षित

- पल्लव - सुमित्रानंदन पंत
- छायावाद - नामवर सिंह
- छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह
- प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
- प्रसाद साहित्य की अंतश्चेतना - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
- महादेवी - परमानंद श्रीवास्तव
- महादेवी वर्मा :एक मूल्यांकन - कुमार विमल
- निराला रचनावली - सं नंदकिशोर नवल
- छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन - कुमार विमल
- साहित्य चिंतन और मूल्यांकन - कुमार विमल
- भारतीय नवजागरण और दिनकर - मीनाक्षी चौहान
- परंपरा, आधुनिकतावाद और दिनकर - जयसिंह नीरद
- राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और प्रसाद - शम्भुनाथ
- रामविलास शर्मा : चिंतन अनुचिंतन - ऋषिकेश राय
- जयशंकर प्रसाद - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- कवि निराला - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- निराला - सं विश्वनाथ तिवारी
- निराला - इंद्रनाथ मदान

****

IDC/MDC = 3 Credits (1X3) 2TH + 1P/TU

HIN-H-IDC-2-2-TH

HIN-MD-IDC-2-2-TH

कार्यालयी हिंदी

(कार्यालयी हिंदी के प्रयोग का परिचय)

- आवेदन पत्र के प्रकार - शासकीय पत्र, अर्द्ध शासकीय पत्र , कार्यालयी आदेश , परिपत्र , अधिसूचना, कार्यालयी ज्ञापन, निविदा, टिप्पणी , मसौदा लेखन ,व्यावसायिक पत्र- लेखन , प्रारूपण
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण, प्रक्रिया एवं प्रस्तुति
- परिभाषिक शब्द - 50
    -

1.	Allotment	आवंटन
2.	Allowance	अनुमोदन
3.	Autonomous	स्वायत्त
4.	Bye-law	उप-विधि
5.	Circular	परिपत्र
6.	Confirmation	पुष्टि
7.	Contract	संविदा
8.	Enclosure	संलग्नक
9.	Honorarium	मानदेय
10.	Memorandum	ज्ञापन
11.	Notification	अधिसूचना
12.	Postponement	स्थगन

13.Proceeding	कार्यवाही
14.Record	अभिलेख
15.Stagnation	गतिरोध
16.Account	लेखा खाता
17.Adjustment	समायोजन
18.Audit	लेखा-परीक्षा
19.Audition	स्वर/ ध्वनि परीक्षण
20.Authentic	प्रामाणिक
21.Bail	जमानत
22.Bearer	वाहक
23.Clearing	समाशोधन
24.Confiscation	अधिहरण
25.Convertible	परिवर्तनीय
26.Dividend	लाभांश
27.Endorsement	बंदोबस्ती
28.Finance	वित्त
29.Forfeiture	जब्ती
30.Indemnity Bond	क्षतिपूर्ति बंध
31.Investment	निवेश
32.Lease	पट्टा
33.Lumpsum	एकमुश्त
34.Mobilisation	संग्रहण
35.Mortgage	गिरवी
36.Payable	देय
37.progressive -note	रुक्का/हुण्डी
38.Recommendation	संस्तुति
39.Rectification	परिशोधन
40.Redeemable	प्रतिदेय

41. Revenue	राजस्व
42. Security	प्रतिभूति
43. Short-term credit	अल्पावधि उधार
44. Sur-charge	अधिभार
45. Trade mark	मार्का
46. Transaction	लेनदेन
47. Turn over	पण्यावर्त
48. Validity	वैधता
49. Warranty	आश्वस्ति
50. Withdrawal	आहरण

****

AEC = 2 Credits (1X2) 2TH + OP/TU

HIN-H-AEC-2-2-TH

HIN-MD-AEC-2-2-TH

<u>हिंदी व्याकरण एवं रचना</u>

(हिंदी व्याकरण एवं रचना का परिचय)

- संज्ञा ,सर्वनाम,
- विशेषण, क्रिया, अव्यय
- विलोम शब्द ,पर्यायवाची शब्द
- शब्द समूहों के लिए एक शब्द
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

<u>कविताएँ</u>

- हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)
- उनको प्रणाम (नागार्जुन)
- सवेरे उठा तो धूप खिली थी (अज्ञेय)
- हो गई है पीर पर्वत सी (दुष्यंत)

<u>अनुमोदित पुस्तकें</u> -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
- बेसिक हिन्दी - बद्रीनाथ कपूर
- हिन्दी मुहावरे - श्री ब्रहमस्वरूप दिनकर शर्मा
- हिंदी मुहावरा कोष - भवदेव पांडेय

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 4TH + OP/TU

HIN-H-SEC-2-2-TH

HIN-MD-SEC-2-2-TH

डिजिटल साक्षरता

डिजिटल साक्षरता –

- डिजिटल साक्षरता की परिभाषा और अवधारणा
- डिजिटल तकनीक के विविध प्रकार
- ऑनलाइन सूचना की विश्वसनीयता
- कॉपीराइट और प्लेजरिज्म (साहित्यिक/बौद्धिक चोरी)
- हमारे देश के महत्वपूर्ण एप्लीकेशन - Digi locker, E-hospitals, E-pathshala, BHIM ,E-kranti (electronic delivery of service), E-health Campaigns.

इलेक्ट्रॉनिक सम्प्रेषण (संचार नेटवर्क): मेल, ब्लॉग -

- सोशल मीडिया :फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, कू , टेलिग्राम
- ऑनलाइन शिक्षण के विविध प्लेटफॉर्म (मंच)- सामान्य परिचय एवं उपयोगिता
- ब्राउज़र - गूगल, माइक्रोसॉफ्ट एज, फ़ायरफ़ॉक्स, याहू
- शिक्षण मंच - यूट्यूब, गूगल क्लासरूम, ज़ूम, गूगल मीट

डिजिटल सुरक्षा :

- ऑनलाइन सुरक्षा और निजता (privacy)
- डिजिटल दुनिया के खतरे -डेटा चोरी और साइबर अपराध |
- ब्लॉकचेन तकनीक

- भारत सरकार और साइबर सुरक्षा

<u>डिजिटल नैतिकता</u> :

- ऑनलाइन व्यवहार और शिष्टाचार
- नई तकनीकें : सामान्य परिचय
- AI और मशीन लर्निंग

<u>अनुमोदित ग्रंथ</u> -

- न्यू मीडिया और बदलता भारत - प्रांजल धर, कृष्णकांत, भारतीय ज्ञानपीठ
- इंटरनेट जर्नलिज़्म- विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाशन जयपुर
- सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार - कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन
- ऑनलाइन मीडिया, सुरेश कुमार, पियर्सन प्रकाशन, भारत
- हिन्दी ब्लॉगिंग का इतिहास, रवींद्र प्रभात, हिन्दी साहित्य निकेतन
- डिजिटल मीडिया (हैन्डबुक) - इरफान-ए-आज़म
- डिजिटल मीडिया, प्रभात प्रकशन, अजय कुमार
- Understanding digital literacies: A Practical Introduction by Rodney H.Jones & Christoph A.Hafner
- कृत्रिम बुद्धि : के.डी.पावेट, प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय,नई दिल्ली|

****

CVAC- ENVS BY THE UNIVERSITY

4 credits (2 X 2)

****